>

Title:Need to include Prajapati (Kumhar) and Kashyap castes in the list of Scheduled Castes.

**श्री संतोष गंगवार (बरेली):** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि सरकार के पास बहुत-सी पिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति में परिवर्तित करने के लिए निवेदन आते रहते हैं। प्रजापति जाति, कुम्हार समाज के लोगों ने देश में एक सप्ताह पूर्व धरना और प्रदर्शन आयोजित किया था। उनका कहना था कि वर्ष 1931 में आजादी से पहले तत्कालीन शासकों ने देश की पांच जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने का निर्णय लिया था। आजादी के पहले और बाद में धीरे-धीरे उन पांच जातियों में से चार जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कर लिया गया है, लेकिन प्रजापति समाज, जिन्हें कुम्हार जाति के नाम से पूरे देश में लोग जानते हैं। ये लोग मिट्टी के बर्तन बनाते हैं, कला का काम करते हैं और ख्याति प्राप्त करते हैं। उनकी अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग की तरफ सरकार ध्यान नहीं दे रही है।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश में कश्यप जाति, कश्यप निषाद केवट जाति के लोगों के साथ तो और अधिक मजाक किया गया है। तत्कालीन उत्तर प्रदेश की सरकार ने घोषणा कर दी कि इन लोगों को अनुसूचित जाति में शामिल किया जाता है, लेकिन जब दिल्ली में मैंने सवाल किया, तो पता चला कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। मेरा सरकार से आग्रह है कि इस ओर ध्यान दे तथा गंभीरता के साथ विचार करते हुए प्रजापति, कुम्हार समाज और कश्यप निषाद समाज को अनुसूचित जाति में शामिल करने के लिए प्रक्रिया अपना कर इस संदर्भ में जो कार्यवाही करनी है, उस कार्यवाही को प्राथमिकता के आधार पर करवाने का निर्णय ले।